

# हज़रत मूसा

मिसर में



*hazrat mūsā misr men*

Hazrat Musa in Egypt

(Urdu—Hindi script)

© 2022 Chashma Media.

*published and printed by*

Good Word Communication Services Pvt. Ltd.

New Delhi, INDIA

Bible text is from UGV.

illus.: J. Kemp, R. Gunther ([www.lambsongs.co.nz](http://www.lambsongs.co.nz)), S.

Bentley ([www.freebibleimages.org](http://www.freebibleimages.org))

*for enquiries or to request more copies:*

[askandanswer786@gmail.com](mailto:askandanswer786@gmail.com)

तौरत में लिखा है,

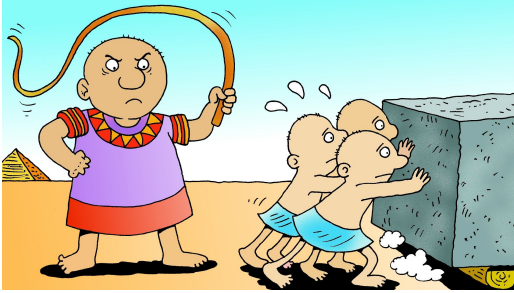
### याकूब का खानदान मिसर में

मिसर में रहते हुए बहुत दिन गुज़र गए। इतने में यूसुफ़, उसके तमाम भाई और उस नसल के तमाम लोग मर गए। इसराईली फले-फूले और तादाद में बहुत बढ़ गए। नतीजे में वह निहायत ही ताक़तवर हो गए। पूरा मुल्क उनसे भर गया।



### इसराईलियों को दबाया जाता है

होते होते एक नया बादशाह तख़्तनशीन हुआ जो यूसुफ़ से नावाकिफ़ था। उसने अपने लोगों से कहा, “इसराईलियों को देखो। वह तादाद और ताक़त में हमसे बढ़ गए हैं। आओ, हम हिकमत से काम लें, वरना वह मज़ीद बढ़ जाएँगे। ऐसा न हो कि वह किसी जंग के मौक़े पर दुश्मन का साथ देकर हमसे लड़ें और मुल्क को छोड़ जाएँ।”



चुनाँचे मिसरियों ने इसराईलियों पर निगरान मुकर्रर किए ताकि बेगार में उनसे काम करवाकर उन्हें दबाते रहें। उस वक़्त उन्होंने पितोम और रामसीस के शहर तामीर किए। इन शहरों में फ़िरौन बादशाह के बड़े बड़े गोदाम थे। लेकिन जितना इसराईलियों को दबाया गया उतना ही वह तादाद में बढ़ते और फैलते गए। आख़िरकार मिसरी उनसे दहशत खाने लगे, और वह बड़ी बेरहमी से उनसे काम करवाते रहे। इसराईलियों का गुज़ारा निहायत मुश्किल हो गया। उन्हें गारा तैयार करके ईंटें बनाना और खेतों में मुख़लिफ़ क्रिस्म के काम करना पड़े। इसमें मिसरी उनसे बड़ी बेरहमी से पेश आते रहे।

## **दाइयाँ अल्लाह की राह पर चलती हैं**

इसराईलियों की दो दाइयाँ थीं जिनके नाम सिफ़रा और फ़ुआ थे। मिसर के बादशाह ने उनसे कहा, “जब इबरानी औरतें तुम्हें मदद के लिए बुलाएँ तो ख़बरदार रहो। अगर लड़का पैदा हो तो उसे जान से मार दो, अगर



लड़की हो तो उसे जीता छोड़ दो।” लेकिन दाइयाँ अल्लाह का ख़ौफ़ मानती थीं। उन्होंने मिसर के बादशाह का हुक्म न माना बल्कि लड़कों को भी जीने दिया। आखिरकार बादशाह ने अपने तमाम हमवतनों से बात की, “जब भी इबरानियों के लड़के पैदा हों तो उन्हें दरियाए-नील में फेंक देना। सिर्फ़ लड़कियों को ज़िंदा रहने दो।”

### **मूसा की पैदाइश और बचाव**

उन दिनों में लावी के एक आदमी ने अपने ही क़बीले की एक औरत से शादी की। औरत हामिला हुई और बच्चा पैदा हुआ। माँ ने देखा कि लड़का ख़ूबसूरत है, इसलिए उसने उसे तीन माह तक छिपाए रखा। जब वह उसे और ज़्यादा न छिपा सकी तो उसने आबी नरसल से टोकरी बनाकर उस पर तारकोल चढ़ाया। फिर उसने बच्चे को टोकरी में रखकर

टोकरी को दरियाए-नील के किनारे पर उगे हुए सरकंडों में रख दिया। बच्चे की बहन कुछ फ़ासले पर खड़ी देखती रही कि उसका क्या बनेगा।



उस वक़्त फ़िरौन की बेटी नहाने के लिए दरिया पर आई। उसकी नौकरानियाँ दरिया के किनारे टहलने लगीं। तब उसने सरकंडों में टोकरी देखी और अपनी

लौंडी को उसे लाने भेजा। उसे खोला तो छोटा लड़का दिखाई दिया जो रो रहा था। फ़िरौन की बेटी को उस पर तरस आया। उसने कहा, “यह कोई इबरानी बच्चा है।”



अब बच्चे की बहन फ़िरौन की बेटी के पास गई और पूछा, “क्या मैं बच्चे को दूध पिलाने के लिए कोई इबरानी औरत ढूँड लाऊँ?”

फ़िरौन की बेटी ने कहा, “हाँ, जाओ।”

लड़की चली गई और बच्चे की सगी माँ को लेकर वापस आई। फ़िरौन की बेटी ने माँ से कहा, “बच्चे को ले जाओ और उसे मेरे लिए दूध पिलाया करो। मैं तुम्हें इसका मुआवज़ा दूँगी।” चुनाँचे बच्चे की माँ ने उसे दूध पिलाने के लिए ले लिया।

जब बच्चा बड़ा हुआ तो उसकी माँ उसे फ़िरौन की बेटी के पास ले गई, और वह उसका बेटा बन गया। फ़िरौन की बेटी ने उसका नाम मूसा यानी ‘निकाला गया’ रखकर कहा, “मैं उसे पानी से निकाल लाई हूँ।”



## जलती हुई झाड़ी

मूसा भेड़-बकरियों की निगहबानी करता था। एक दिन मूसा रेवड़ को रेगिस्तान की परली जानिब ले गया और चलते चलते अल्लाह के पहाड़

होरिब यानी सीना तक पहुँच गया। वहाँ रब का फ़रिश्ता आग के शोले में उस पर ज़ाहिर हुआ। यह शोला एक झाड़ी में भड़क रहा था। मूसा ने देखा कि झाड़ी जल रही है लेकिन भस्म नहीं हो रही। मूसा ने सोचा, “यह तो अजीब बात है। क्या वजह है कि जलती हुई झाड़ी भस्म नहीं हो रही? मैं ज़रा वहाँ जाकर यह हैरतअंगेज़ मंज़र देखूँ।”



जब रब ने देखा कि मूसा झाड़ी को देखने आ रहा है तो उसने उसे झाड़ी में से पुकारा, “मूसा, मूसा!”

मूसा ने कहा, “जी, मैं हाज़िर हूँ।”

रब ने कहा, “इससे ज़्यादा करीब न आना। अपनी जूतियाँ उतार, क्योंकि तू मुकद्दस ज़मीन पर खड़ा है। मैं तेरे बाप का ख़ुदा, इब्राहीम का ख़ुदा, इसहाक़ का ख़ुदा और याक़ूब का ख़ुदा हूँ।”



यह सुनकर मूसा ने अपना मुँह ढाँक लिया, क्योंकि वह अल्लाह को देखने से डरा।

रब ने कहा, “मैंने मिसर में अपनी क्रौम की बुरी हालत देखी और गुलामी में उनकी चीखें सुनी हैं, और मैं उनके दुखों को ख़ूब जानता हूँ। इसराईलियों की चीखें मुझ तक पहुँची हैं। मैंने देखा है कि मिसरी उन पर किस तरह का जुल्म ढा रहे हैं। चुनाँचे अब जा। मैं तुझे फ़िरौन के पास भेजता हूँ, क्योंकि तुझे मेरी क्रौम इसराईल को मिसर से निकालकर लाना है।”

लेकिन मूसा ने अल्लाह से कहा, “मैं कौन हूँ कि फ़िरौन के पास जाकर इसराईलियों को मिसर से निकाल लाऊँ?”

अल्लाह ने कहा, “मैं तो तेरे साथ हूँगा। और इसका सबूत कि मैं तुझे भेज रहा हूँ यह होगा कि लोगों के मिसर से निकलने के बाद तुम यहाँ आकर इस पहाड़ पर मेरी इबादत करोगे।”

मूसा ने एतराज़ किया, “लेकिन इसराईली न मेरी बात का यकीन करेंगे, न मेरी सुनेंगे। वह तो कहेंगे, ‘रब तुम पर ज़ाहिर नहीं हुआ’।”

जवाब में रब ने मूसा से कहा, “तूने हाथ में क्या पकड़ा हुआ है?”

मूसा ने कहा, “लाठी।”

रब ने कहा, “उसे ज़मीन पर डाल दे।”

मूसा ने ऐसा किया तो लाठी साँप बन गई, और मूसा डरकर भागा।



रब ने कहा, “अब साँप की दुम को पकड़ ले।”

मूसा ने ऐसा किया तो साँप फिर लाठी बन गया।

रब ने कहा, “यह देखकर लोगों को यक़ीन आएगा कि रब

जो उनके बापदादा का ख़ुदा, इब्राहीम का ख़ुदा, इसहाक़ का ख़ुदा और याक़ूब का ख़ुदा है तुझ पर ज़ाहिर हुआ है। अब अपना हाथ अपने लिबास में डाल दे।”

मूसा ने ऐसा किया। जब उसने अपना हाथ निकाला तो वह बर्फ़ की मानिंद सफ़ेद हो गया था। कोढ़ जैसी बीमारी लग गई थी।

तब रब ने कहा, “अब अपना हाथ दुबारा अपने लिबास में डाल।”

मूसा ने ऐसा किया। जब उसने अपना हाथ दुबारा निकाला तो वह फिर सेहतमंद था।

रब ने कहा, “अगर लोगों को पहला मोज़िज़ा देखकर यक़ीन न आए और वह तेरी न सुनें तो शायद उन्हें दूसरा मोज़िज़ा देखकर यक़ीन आए। अगर उन्हें फिर भी यक़ीन न आए और वह तेरी न सुनें तो दरियाए-नील से कुछ पानी निकालकर उसे ख़ुशक़ ज़मीन पर उंडेल दे। यह पानी ज़मीन पर गिरते ही ख़ून बन जाएगा।”

लेकिन मूसा ने कहा, “मेरे आक्रा, मैं माज़रत चाहता हूँ, मैं अच्छी तरह बात नहीं कर सकता बल्कि मैं कभी भी यह लियाक़त नहीं रखता था। इस वक़्त भी जब मैं तुझसे बात कर रहा हूँ मेरी यही हालत है। मैं रुक रुककर बोलता हूँ।”

रब ने कहा, “किसने इनसान का मुँह बनाया? क्या मैं जो रब हूँ यह नहीं करता? अब जा! तेरे बोलते वक़्त मैं खुद तेरे साथ हूँगा और तुझे वह कुछ सिखाऊँगा जो तुझे कहना है।”

लेकिन मूसा ने इल्लिजा की, “मेरे आक्रा, मेहरबानी करके किसी और को भेज दे।”

तब रब मूसा से सख़्त ख़फ़ा हुआ। उसने कहा, “क्या तेरा लावी भाई हारून ऐसे काम के लिए हाज़िर नहीं है? मैं जानता हूँ कि वह अच्छी तरह बोल सकता है। देख, वह तुझसे मिलने के लिए निकल चुका है। तुझे देखकर वह निहायत खुश होगा। उसे वह कुछ बता जो उसे कहना है। तुम्हारे बोलते वक़्त मैं तेरे और उसके साथ हूँगा और तुम्हें वह कुछ सिखाऊँगा जो तुम्हें करना होगा। हारून तेरी जगह क्रौम से बात करेगा जबकि तू मेरी तरह उसे वह कुछ बताएगा जो उसे कहना है। लेकिन यह लाठी भी साथ ले जाना, क्योंकि इसी के ज़रीए तू यह मोजिज़े करेगा।”

रब ने हारून से भी बात की, “रेगिस्तान में मूसा से मिलने जा।”

हारून चल पड़ा और अल्लाह के पहाड़ के पास मूसा से मिला। उसने उसे बोसा दिया। मूसा ने हारून को सब कुछ सुना दिया जो रब ने उसे

कहने के लिए भेजा था। उसने उसे उन मोजिज़ों के बारे में भी बताया जो उसे दिखाने थे।

फिर दोनों मिलकर मिसर गए। वहाँ पहुँचकर उन्होंने इसराईल के तमाम बुज़ुर्गों को जमा किया। हारून ने उन्हें वह तमाम बातें सुनाई जो रब ने मूसा को बताई थीं। उसने मज़कूरा मोजिज़े भी लोगों के सामने दिखाए। फिर उन्हें यक़ीन आया। और जब उन्होंने सुना कि रब को तुम्हारा ख़याल है और वह तुम्हारी मुसीबत से आगाह है तो उन्होंने रब को सिजदा किया।



## सवाल

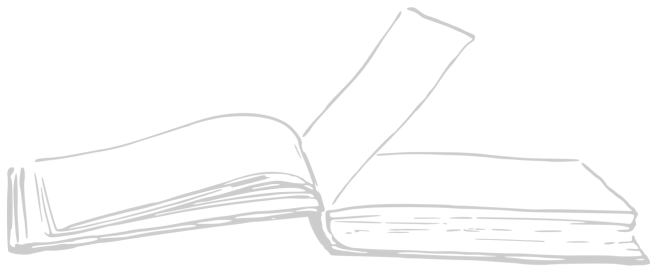
- खुदा ने जलती हुई झाड़ी के ज़रीए क्या किया?
  - ▶ वह हज़रत मूसा से हमकलाम हुआ।
- हज़रत मूसा ने क्या जवाब दिया?
  - ▶ उन्होंने ध्यान देकर उसकी सुनी। लेकिन उनके दिल में शक भी उभर आया कि मैं अच्छी तरह बात नहीं कर सकता और लोग मेरी नहीं मानेंगे।
- खुदा क्या फ़रमाता है जब हज़रत मूसा अपने आप पर शक करते हैं?
  - ▶ वह न सिर्फ़ उनकी हौसलाअफ़ज़ाई करता है बल्कि वह उन्हें एक अच्छा हल भी पेश करता है।
- हल क्या था?
  - ▶ यह कि हारून उनकी मदद कर सकता है।
- खुदा यह हल क्यों पेश करता है?
  - ▶ इसलिए कि वह हज़रत मूसा के वसीले से इसराईली क्रौम से हमकलाम होकर उस में ईमान पैदा करना चाहता है।

- क्या खुदा हमसे भी हमकलाम होना चाहता है?
  - ▶ हाँ, वह किताबे-मुक़द्दस के ज़रीए हमसे बात करना चाहता है।
- क्या हम उसकी सुनते हैं?
  - ▶ ज़बूर में लिखा है,

रब का कलाम सच्चा है, और वह हर काम वफ़ादारी से करता है। (ज़बूर 33:4)

और हज़रत ईसा अल-मसीह फ़रमाते हैं,

हक़ीक़त में वह मुबारक हैं जो अल्लाह का कलाम सुनकर उस पर अमल करते हैं। (लूका 28:11)



- हज़रत मूसा ख़ुदा की सुनकर उस पर भरोसा रखते हैं। नतीजे में क्या होता है?
  - ▶ नतीजे में उन्हें ख़ुदा की कुदरत मालूम होती है। वह देखते हैं कि फ़िरौन को लाज़िमी इसराईलियों को छोड़ना है। और उन्हें समझ आती है कि अल्लाह तआला अपना वादा पूरा करेगा : वह अपनी क्रौम को मुल्के-फ़लस्तीन में लाएगा, चाहे दुश्मन क्या कुछ क्यों न करे।
- जब हम ख़ुदा की सुनकर उस पर भरोसा करें तो हम क्या देखेंगे?
  - ▶ हम अपनी ज़िंदगी में भी इसका तजरिबा करेंगे। क्योंकि वह क़ादिर है, और जो वादे उसने किए हैं, उन्हें वह लाज़िमी पूरा करता है।

आपने पूरे दिलो-जान से जान लिया है कि जो भी वादा रब आपके ख़ुदा ने आपके साथ किया वह पूरा हुआ है। एक भी अधूरा नहीं रह गया।  
(यशुअ 23:14)

जो उस पर भरोसा रखे उसे वह नहीं छोड़ता।

मैं फिर कहता हूँ कि मज़बूत और दिलेर हो। न घबरा और न हौसला हार, क्योंकि जहाँ भी तू जाएगा वहाँ रब तेरा खुदा तेरे साथ रहेगा।” (यशुअ 1:9)

यसायाह नबी जानते हैं कि वह अल्लाह पर भरोसा रख सकता है, क्योंकि अल्लाह ने वादा किया है कि

मैं रब तेरा खुदा हूँ। मैं तेरे दहने हाथ को पकड़कर तुझे बताता हूँ, ‘मत डरना, मैं ही तेरी मदद करता हूँ।’ (यसायाह 41:13)

और हज़रत ईसा वादा करते हैं कि

देखो, मैं दुनिया के इख़िताम तक हमेशा तुम्हारे साथ हूँ। (मत्ती 28:20)



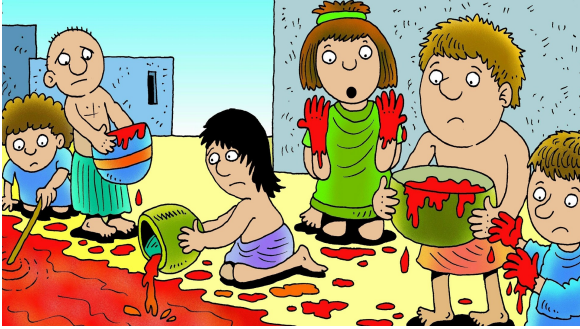


### मूसा और हारून फ़िरौन के दरबार में

फिर मूसा और हारून फ़िरौन के पास गए। उन्होंने कहा, “रब इसराईल का खुदा फ़रमाता है, ‘मेरी क़ौम को रेगिस्तान में जाने दे ताकि वह मेरे लिए ईद मनाएँ’।” फ़िरौन ने जवाब दिया, “यह रब कौन है? मैं क्यों उसका हुक्म मानकर इसराईलियों को जाने दूँ? न मैं रब को जानता हूँ, न इसराईलियों को जाने दूँगा।”

### जवाब में फ़िरौन का सख़्त दबाव

उसी दिन फ़िरौन ने मिसरी निगरानों और उनके तहत के इसराईली निगरानों को हुक्म दिया, “उनसे और ज़्यादा सख़्त काम कराओ, उन्हें काम में लगाए रखो। उनके पास इतना वक़्त ही न हो कि वह झूठी बातों पर ध्यान दें।”



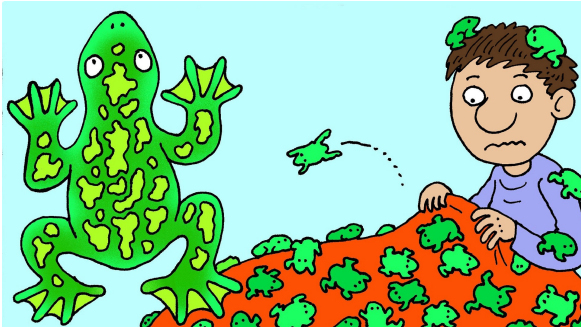
## पानी खून में बदल जाता है

फिर रब ने मूसा से कहा, “फ़िरौन मेरी क्रौम को मिसर छोड़ने से रोकता है। कल सुबह-सवेरे जब वह दरियाए-नील पर आएगा तो उससे मिलने के लिए दरिया के किनारे पर खड़े हो जाना। उस लाठी को थामे रखना जो साँप बन गई थी। जब वह वहाँ पहुँचे तो उससे कहना, ‘खुदा ने मुझे आपको यह बताने के लिए भेजा है कि मेरी क्रौम को मेरी इबादत करने के लिए रेगिस्तान में जाने दे। लेकिन आपने अभी तक उसकी नहीं सुनी। चुनाँचे अब आप जान लेंगे कि वह रब है। मैं इस लाठी को जो मेरे हाथ में है लेकर दरियाए-नील के पानी को माहूँगा। फिर वह खून में बदल जाएगा। दरियाए-नील की मछलियाँ मर जाएँगी, दरिया से बदबू उठेगी और मिसरी दरिया का पानी नहीं पी सकेंगे’।”

चुनाँचे मूसा और हारून ने फ़िरौन और उसके ओहदेदारों के सामने अपनी लाठी उठाकर दरियाए-नील के पानी पर मारी। इस पर दरिया का सारा पानी खून में बदल गया।

## मेंढक

पानी के बदल जाने के बाद सात दिन गुज़र गए। फिर रब ने मूसा से कहा, “फ़िरौन के पास जाकर उसे बता देना कि रब फ़रमाता है, ‘मेरी क़ौम को मेरी इबादत करने के लिए जाने दे, वरना मैं पूरे मिसर को मेंढकों से सज़ा दूँगा। दरियाए-नील मेंढकों से इतना भर जाएगा कि वह दरिया से निकलकर तेरे महल, तेरे सोने के कमरे और तेरे बिस्तर में जा घुसेंगे। वह तेरे ओहदेदारों और तेरी रिआया के घरों में आएँगे बल्कि तेरे तनूरों और आटा गूँधने के बरतनों में भी फुदकते फिरेंगे। मेंढक तुझ पर, तेरी क़ौम पर और तेरे ओहदेदारों पर चढ़ जाएँगे।”



रब ने मूसा से कहा, “हारून को बता देना कि वह अपनी लाठी को हाथ में लेकर उसे दरियाओं, नहरों और जोहड़ों के ऊपर उठाए ताकि मेंढक बाहर निकलकर मिसर के मुल्क में फैल जाएँ।” हारून ने मुल्के-मिसर के पानी के ऊपर अपनी लाठी उठाई तो मेंढकों के गोल पानी से निकलकर पूरे मुल्क पर छा गए।

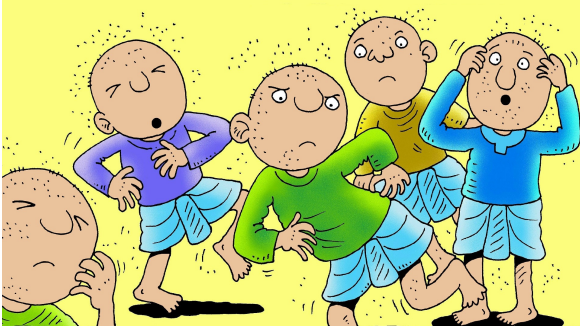
फ़िरौन ने मूसा और हारून को बुलाकर कहा, “रब से दुआ करो कि वह मुझसे और मेरी क़ौम से मेंढकों को दूर करे। फिर मैं तुम्हारी क़ौम को जाने दूँगा ताकि वह रब को क़ुरबानियाँ पेश करें।”

मूसा और हारून फ़िरौन के पास से चले गए, और मूसा ने रब से मिन्नत की कि वह मेंढकों के वह गोल दूर करे जो उसने फ़िरौन के ख़िलाफ़ भेजे थे। रब ने उसकी दुआ सुनी। घरों, सहनों और खेतों में मेंढक मर गए। लेकिन जब फ़िरौन ने देखा कि मसला हल हो गया है तो वह फिर अकड़ गया और उनकी न सुनी।

## जुएँ

फिर रब ने मूसा से कहा, “हारून से कहना कि वह अपनी लाठी से ज़मीन की गर्द को मारे। जब वह ऐसा करेगा तो पूरे मिसर की गर्द जुओं में बदल जाएगी।”

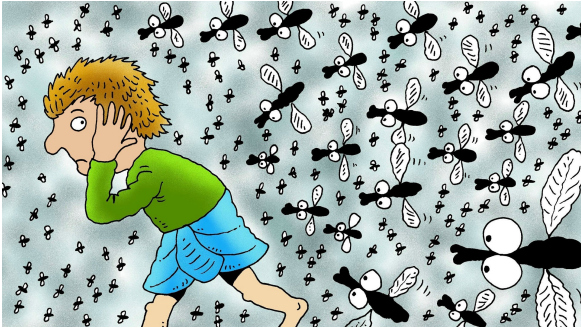
हारून ने अपनी लाठी से ज़मीन की गर्द को मारा तो पूरे मुल्क की गर्द जुओं में बदल गई। उनके गोल जानवरों और आदमियों पर छा गए।



जादूगरों ने फ़िरौन से कहा, “अल्लाह की कुदरत ने यह किया है।”  
लेकिन फ़िरौन ने उनकी न सुनी।

### काटनेवाली मक्खियाँ

फिर रब ने मूसा से कहा, “जब फ़िरौन सुबह-सवेरे दरिया पर जाए तो तू उसके रास्ते में खड़ा हो जाना। उसे कहना कि रब फ़रमाता है, ‘मेरी क़ौम को जाने दे ताकि वह मेरी इबादत कर सकें। वरना मैं तेरे और तेरे ओहदेदारों के पास, तेरी क़ौम के पास और तेरे घरों में काटनेवाली मक्खियाँ भेज दूँगा। मिसरियों के घर मक्खियों से भर जाएँगे बल्कि जिस ज़मीन पर वह खड़े हैं वह भी मक्खियों से ढाँकी जाएगी। लेकिन उस वक़्त मैं अपनी क़ौम के साथ जो जुशन में रहती है फ़रक़ सुलूक करूँगा। वहाँ एक भी काटनेवाली मक्खी नहीं होगी। इस तरह तुझे पता लगेगा कि इस मुल्क में मैं ही रब हूँ। मैं अपनी क़ौम और तेरी क़ौम में



इम्तियाज़ करूँगा। कल ही मेरी कुदरत का इज़हार होगा।” रब ने ऐसा ही किया।

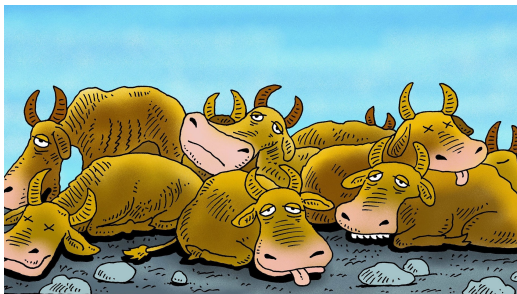
फ़िरौन ने जवाब दिया, “ठीक है, मैं तुम्हें जाने दूँगा ताकि तुम रेगिस्तान में रब अपने खुदा को कुरबानियाँ पेश करो। लेकिन तुम्हें ज़्यादा दूर नहीं जाना है। और मेरे लिए भी दुआ करना।”

मूसा ने कहा, “ठीक, मैं जाते ही रब से दुआ करूँगा। कल ही मक्खियाँ फ़िरौन, उसके ओहदेदारों और उसकी क्रौम से दूर हो जाएँगी। लेकिन हमें दुबारा फ़रेब न देना बल्कि हमें जाने देना ताकि हम रब को कुरबानियाँ पेश कर सकें।”

रब ने मूसा की दुआ सुनी। काटनेवाली मक्खियाँ फ़िरौन, उसके ओहदेदारों और उसकी क्रौम से दूर हो गईं। एक भी मक्खी न रही। लेकिन फिर फ़िरौन ने इसराईलियों को जाने न दिया।

## मवेशियों में वबा

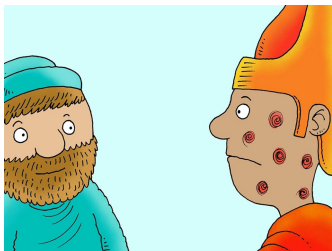
फिर रब ने मूसा से कहा, “फ़िरौन के पास जाकर उसे बता कि रब इबरानियों का खुदा फ़रमाता है, ‘मेरी क़ौम को जाने दे ताकि वह मेरी इबादत कर सकें।’ अगर आप इनकार करें और उन्हें रोकते रहें तो रब अपनी कुदरत का इज़हार करके आपके मवेशियों में भयानक वबा फैला देगा जो आपके घोड़ों, गधों, ऊँटों, गाय-बैलों, भेड़-बकरियों और मेंढों में फैल जाएगी। लेकिन रब इसराइल और मिसर के मवेशियों में इम्तियाज़ करेगा। इसराइलियों का एक भी जानवर नहीं मरेगा। रब ने फ़ैसला कर लिया है कि वह कल ही ऐसा करेगा।”



अगले दिन रब ने ऐसा ही किया। मिसर के तमाम मवेशी मर गए, लेकिन इसराइलियों का एक भी जानवर न मरा। फ़िरौन ने कुछ लोगों को उनके पास भेज दिया तो पता चला कि एक भी जानवर नहीं मरा। ताहम फ़िरौन ने इसराइलियों को जाने न दिया।

## फोड़े-फुंसियाँ

फिर रब ने मूसा और हारून से कहा, “अपनी मुट्टियाँ किसी भट्टी की राख से भरकर फ़िरौन के पास जाओ। फिर मूसा फ़िरौन के सामने यह राख हवा में उड़ा दे। यह राख बारीक धूल का बादल बन जाएगी जो पूरे मुल्क पर छा जाएगा। उसके असर से लोगों और जानवरों के जिस्मों पर फोड़े-फुंसियाँ फूट निकलेंगे।”



मूसा और हारून ने ऐसा ही किया। वह किसी भट्टी से राख लेकर फ़िरौन के सामने खड़े हो गए। मूसा ने राख को हवा में उड़ा दिया तो इनसानों और जानवरों के जिस्मों पर फोड़े-

फुंसियाँ निकल आए। इस मरतबा जादूगर मूसा के सामने खड़े भी न हो सके क्योंकि उनके जिस्मों पर भी फोड़े निकल आए थे। तमाम मिसरियों का यही हाल था। लेकिन फ़िरौन ने मूसा और हारून की न सुनी।

## ओले

इसके बाद रब ने मूसा से कहा, “सुबह-सवेरे उठ और फ़िरौन के सामने खड़े होकर उसे बता कि रब इबरानियों का ख़ुदा फ़रमाता है, ‘मेरी क़ौम को जाने दे ताकि वह मेरी इबादत कर सकें। वरना मैं अपनी तमाम



आफ़तें तुझ पर, तेरे ओहदेदारों पर और तेरी क्रौम पर आने दूँगा। फिर तू जान लेगा कि तमाम दुनिया में मुझ जैसा कोई नहीं है।”



रब ने मूसा से कहा, “अपना हाथ आसमान की तरफ़ बढ़ा दे। फिर मिसर के तमाम इनसानों, जानवरों और खेतों के पौधों पर ओले पड़ेंगे।” मूसा ने अपनी लाठी आसमान की तरफ़ उठाई तो रब ने एक ज़बरदस्त तूफ़ान भेज दिया। ओले पड़े, बिजली गिरी और बादल गरजते रहे। वह सिर्फ़ जुशन के इलाक़े में न पड़े जहाँ इसराईली आबाद थे। तब फिरौन ने मूसा और हारून को बुलाया। उसने कहा, “इस मरतबा मैंने गुनाह किया है। रब हक़ पर है। मुझसे और मेरी क्रौम से ग़लती हुई है। ओले और अल्लाह की गरजती आवाज़ें हद से ज़्यादा हैं। रब से दुआ करो ताकि ओले रुक जाएँ। अब मैं तुम्हें जाने दूँगा। अब से तुम्हें यहाँ रहना नहीं पड़ेगा।”

जब फ़िरौन ने देखा कि तूफ़ान ख़त्म हो गया है तो वह और उसके ओहदेदार दुबारा गुनाह करके अकड़ गए। फ़िरौन ने इसराईलियों को जाने न दिया।

## टिड्डियाँ

फिर ख ने मूसा से कहा, “फ़िरौन के पास जा, क्योंकि मैंने उसका और उसके दरबारियों का दिल सख़्त कर दिया है।”



मूसा और हारून फ़िरौन के पास गए। उन्होंने उससे कहा, “ख इबरानियों के ख़ुदा का फ़रमान है, ‘तू कब तक मेरे सामने हथियार डालने से इनकार करेगा? मेरी क़ौम को मेरी इबादत करने के लिए जाने दे, वरना मैं कल तेरे मुल्क में टिड्डियाँ लाऊँगा। उनके गोल ज़मीन पर यों छा जाएँगे कि ज़मीन नज़र ही नहीं आएगी। जो कुछ ओलों ने तबाह नहीं किया उसे वह चटकर जाएँगी। बचे हुए दरख़्तों के पत्ते भी

खत्म हो जाएँगे। तेरे महल, तेरे ओहदेदारों और बाक्री लोगों के घर उनसे भर जाएँगे।

फ़िरौन ने कहा, “मैं किस तरह तुम सबको बाल-बच्चों समेत जाने दे सकता हूँ?” तब मूसा और हारून को फ़िरौन के सामने से निकाल दिया गया।

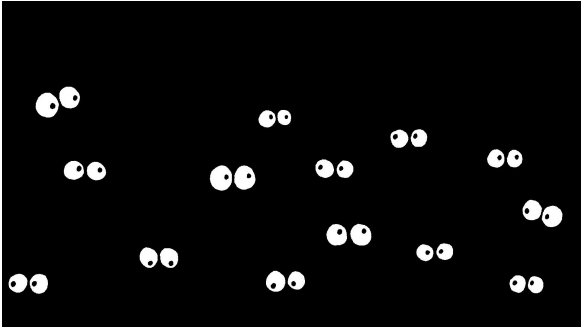
फिर रब ने मूसा से कहा, “मिसर पर अपना हाथ उठा ताकि टिट्टियाँ आकर मिसर की सरज़मीन पर फैल जाएँ।”

तब फ़िरौन ने मूसा और हारून को जल्दी से बुलवाया। उसने कहा, “मैंने तुम्हारे ख़ुदा का और तुम्हारा गुनाह किया है। अब एक और मरतबा मेरा गुनाह माफ़ करो और रब अपने ख़ुदा से दुआ करो ताकि मौत की यह हालत मुझसे दूर हो जाए।”

मूसा ने महल से निकलकर रब से दुआ की। जवाब में रब ने हवा का रुख बदल दिया। उसने मगरिब से तेज़ आँधी चलाई जिसने टिट्टियों को उड़ाकर बहरे-कुलज़ुम में डाल दिया। मिसर में एक भी टिट्टी न रही। लेकिन फिर फ़िरौन ने इसराईलियों को जाने न दिया।

## अंधेरा

इसके बाद रब ने मूसा से कहा, “अपना हाथ आसमान की तरफ़ उठा तो मिसर पर अंधेरा छा जाएगा। इतना अंधेरा होगा कि बंदा उसे छू सकेगा।”



मूसा ने अपना हाथ आसमान की तरफ उठाया तो तीन दिन तक मिसर पर गहरा अंधेरा छाया रहा। तीन दिन तक लोग न एक दूसरे को देख सके, न कहीं जा सके। लेकिन जहाँ इसराईली रहते थे वहाँ रौशनी थी।

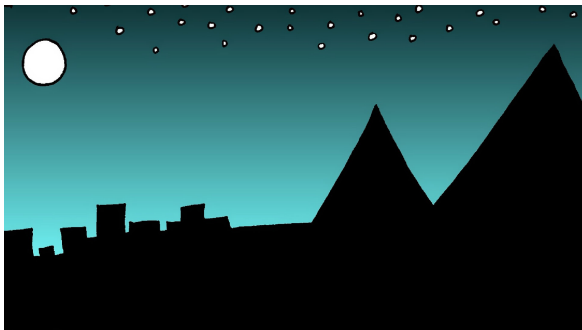


लेकिन फ़िरौन ने उन्हें जाने न दिया। उसने मूसा से कहा, “दफ़ा हो जा। ख़बरदार! फिर कभी अपनी शक्ल न दिखाना, वरना तुझे मौत के हवाले कर दिया जाएगा।

मूसा ने कहा, “ठीक है, आपकी मरज़ी। मैं फिर कभी आपके सामने नहीं आऊँगा।”

### आख़िरी सज़ा का एलान

तब रब ने मूसा से कहा, “अब मैं फ़िरौन और मिसर पर आख़िरी आफ़त लाने को हूँ। इसके बाद वह तुम्हें जाने देगा बल्कि तुम्हें ज़बरदस्ती निकाल देगा। इसराईलियों को बता देना कि हर मर्द अपने पड़ोसी और हर औरत अपनी पड़ोसन से सोने-चाँदी की चीज़ें माँग ले।” (रब ने मिसरियों के दिल इसराईलियों की तरफ़ मायल कर दिए थे। वह फ़िरौन के ओहदेदारों समेत ख़ासकर मूसा की बड़ी इज़ज़त करते थे)।



मूसा ने कहा, “रब फ़रमाता है, ‘आज आधी रात के वक़्त मैं मिसर में से गुज़रूँगा। तब बादशाह के पहलौठे से लेकर चक्की पीसनेवाली नौकरानी के पहलौठे तक मिसरियों का हर पहलौठा मर जाएगा। चौपाइयों के पहलौठे भी मर जाएँगे। मिसर की सरज़मीन पर ऐसा रोना-पीटना होगा कि न माज़ी में कभी हुआ, न मुस्तक़बिल में कभी होगा। लेकिन इसराईली और उनके जानवर बचे रहेंगे। कुत्ता भी उन पर नहीं भौंकेगा। इस तरह तुम जान लोगे कि रब इसराईलियों की निसबत मिसरियों से फ़रक़ सुलूक करता है’।”

## सवाल

- फ़िरौन का गुनाह क्या था?
  - ▶ फ़िरौन ने इसमें गुनाह किया कि उसने इसराईली क्रौम को जाने न दिया।
- ख़ुदा ने जवाब में क्या किया?
  - ▶ उसने फ़िरौन को ख़बरदार किया। उसने उस पर आफ़तें भी नाज़िल कीं। यों उसने उसे तौबा करने के बहुत मौक़े दिए हालाँकि इसका नतीजा सिफ़र था : फ़िरौन सख़्तदिल रहा और न मानी।
- जब फ़िरौन ने ख़ुदा की न सुनी तो ख़ुदा ने आख़िर में क्या किया?
  - ▶ ख़ुदा को फ़िरौन और मिसरी क्रौम को दसवीं आफ़त से सज़ा देना पड़ा। तब हर घर का पहलौठा मर गया। सिफ़र वह घर बच गए जिन के दरवाज़ों के चौखटों पर ख़ून लगाया गया था।
- फ़िरौन के गुनाह का क्या नतीजा है?
  - ▶ यह ज़ाहिर करता है कि गुनाह हमें ख़ुदा से दूर करता है। इसका सिफ़र एक मुनासिब सज़ा है यानी मौत।

अल्लाह हलीम और रहमदिल है, और वह हमें भी रोज़ाना बरदाश्त करता है, गो हमसे ग़लतियाँ होती रहती हैं। तो भी उसके सब्र की एक हद होती है। तब हमारी क्या हालत होगी? क्या हम बचेंगे या सज़ा के तहत तबाह हो जाएँगे? इस लिए इंजील शरीफ़ में लिखा है,

अगर तुम आज अल्लाह की आवाज़ सुनो तो अपने दिलों को सख़्त न करो। (इबरानियों 3:8)

आइए हम अल्लाह की आवाज़ सुनें। अल्लाह नहीं चाहता कि हम गुनाह के बाइस हलाक हो जाएँ। लेकिन हमारे गुनाह हमें उससे दूर और अलग रखते हैं। तो भी ज़बूर यक़ीन से कह सकता है,

लेकिन अल्लाह मेरी जान का फ़िद्या देगा, वह मुझे पकड़कर पाताल की गिरिफ़्त से छुड़ाएगा।  
(ज़बूर 49:15)

तो हम किस तरह हलाकत से बचकर अल्लाह की हुज़ूरी में आ सकते हैं? आइए हम आगे पढ़ते हैं।





## फ़सह की ईद

फिर ख ने मिसर में मूसा और हारून से कहा, “अब से यह महीना तुम्हारे लिए साल का पहला महीना हो। इसराईल की पूरी जमात को बताना कि इस महीने के दसवें दिन हर खानदान का सरपरस्त अपने घराने के लिए लेला यानी भेड़ या बकरी का बच्चा हासिल करे। अगर घराने के अफ़राद पूरा जानवर खाने के लिए कम हों तो वह अपने सबसे करीबी पड़ोसी के साथ मिलकर लेला हासिल करें। इतने लोग उसमें से खाएँ कि सबके लिए काफ़ी हो और पूरा जानवर खाया जाए। इसके लिए एक साल का नर बच्चा चुन लेना जिसमें नुक्स न हो। वह भेड़ या बकरी का बच्चा हो सकता है।

महीने के 14वें दिन तक उसकी देख-भाल करो। उस दिन तमाम इसराईली सूरज के गुरुब होते वक़्त अपने लेले ज़बह करें। हर खानदान

अपने जानवर का कुछ खून जमा करके उसे उस घर के दरवाज़े की चौखट पर लगाए जहाँ लेला खाया जाएगा। यह खून चौखट के ऊपरवाले हिस्से और दाएँ-बाएँ के बाज़ुओं पर लगाया जाए। लाज़िम है कि लोग जानवर को भूनकर उसी रात खाएँ। साथ ही वह कड़वा साग-पात और बेखमीरी रोटियाँ भी खाएँ।

लेले का गोशत कच्चा न खाना, न उसे पानी में उबालना बल्कि पूरे जानवर को सर, पैरों और अंदरूनी हिस्सों समेत आग पर भूनना। लाज़िम है कि पूरा गोशत उसी रात खाया जाए। अगर कुछ सुबह तक बच जाए तो उसे जलाना है। खाना खाते वक़्त ऐसा लिबास पहनना जैसे तुम सफ़र पर जा रहे हो। अपने जूते पहने रखना और हाथ में सफ़र के लिए लाठी लिए हुए तुम उसे जल्दी जल्दी खाना। रब के फ़सह की ईद यों मनाना।



मैं आज रात मिसर में से गुज़रूँगा और हर पहलौठे को जान से मार दूँगा, खाह इनसान का हो या हैवान का। यों मैं जो रब हूँ मिसर के तमाम देवताओं की अदालत

करूँगा। लेकिन तुम्हारे घरों पर लगा हुआ खून तुम्हारा ख़ास निशान होगा। जिस जिस घर के दरवाज़े पर मैं वह खून देखूँगा उसे छोड़ता

जाऊँगा। जब मैं मिसर पर हमला करूँगा तो मोहलक वबा तुम तक नहीं पहुँचेंगी।

आज की रात को हमेशा याद रखना। इसे नसल दर नसल और हर साल रब की खास ईद के तौर पर मनाना।”



फिर मूसा ने तमाम इसराईली बुजुर्गों को बुलाकर उनसे कहा, “जाओ, अपने खानदानों के लिए भेड़ या बकरी के बच्चे चुनकर उन्हें फ़सह की ईद के लिए ज़बह करो। ज़ूफ़े का गुच्छा लेकर उसे खून से भरे हुए बासन में डुबो देना। फिर उसे लेकर खून को चौखट के ऊपरवाले हिस्से और दाएँ-बाएँ के बाजुओं पर लगा देना। सुबह तक कोई अपने घर से न निकले। जब रब मिसरियों को मार डालने के लिए मुल्क में से गुज़रेगा तो वह चौखट के ऊपरवाले हिस्से और दाएँ-बाएँ के बाजुओं पर लगा हुआ खून देखकर उन घरों को छोड़ देगा। वह हलाक करनेवाले

फ़रिश्ते को इजाज़त नहीं देगा कि वह तुम्हारे घरों में जाकर तुम्हें हलाक करे।”

यह सुनकर इसराईलियों ने अल्लाह को सिजदा किया। फिर उन्होंने सब कुछ वैसा ही किया जैसा रब ने मूसा और हारून को बताया था।

### पहलौठों की हलाकत

आधी रात को रब ने बादशाह के पहलौठे से लेकर जेल के कैदी के पहलौठे तक मिसरियों के तमाम पहलौठों को जान से मार दिया। चौपाइयों के पहलौठे भी मर गए। उस रात मिसर के हर घर में कोई न कोई मर गया। फ़िरौन, उसके ओहदेदार और मिसर के तमाम लोग जाग उठे और ज़ोर ज़ोर से रोने और चीखने लगे।



## इसराईलियों की हिजरत

अभी रात थी कि फ़िरौन ने मूसा और हारून को बुलाकर कहा, “अब तुम और बाक़ी इसराईली मेरी क़ौम में से निकल जाओ। अपनी दरखास्त के मुताबिक़ रब की इबादत करो। जिस तरह तुम चाहते हो अपनी भेड़-बकरियों को भी अपने साथ ले जाओ। और मुझे भी बरकत देना।”

बाक़ी मिसरियों ने भी इसराईलियों पर ज़ोर देकर कहा, “जल्दी जल्दी मुल्क से निकल जाओ, वरना हम सब मर जाएँगे।”

इसराईलियों के गूँधे हुए आटे में ख़मीर नहीं था। उन्होंने उसे गूँधने के बरतनों में रखकर अपने कपड़ों में लपेट लिया और सफ़र करते वक़्त अपने कंधों पर रख लिया। इसराईली



मूसा की हिदायत पर अमल करके अपने मिसरी पड़ोसियों के पास गए और उनसे कपड़े और सोने-चाँदी की चीज़ें माँगीं। रब ने मिसरियों के दिलों को इसराईलियों की तरफ़ मायल कर दिया था, इसलिए उन्होंने उनकी हर दरखास्त पूरी की। यों इसराईलियों ने मिसरियों को लूट लिया। तब इसराईली मिसर से निकले।

उस ख़ास रात रब ने खुद पहरा दिया ताकि इसराईली मिसर से निकल सकें। इसलिए तमाम इसराईलियों के लिए लाज़िम है कि वह

नसल दर नसल इस रात रब की ताज़ीम में जागते रहें, वह भी और उनके बाद की औलाद भी। उसी दिन रब तमाम इसराईलियों को खानदानों की तरतीब के मुताबिक़ मिसर से निकाल लाया।



## सवाल

### ● फ़सह की ईद का क्या मक़सद है?

- ▶ इसमें इसराईली अल्लाह का शुक्र करते हैं कि उसने उन्हें मौत से बचाया। जहाँ जहाँ ज़बह किए गए भेड़ के बच्चे का खून दरवाज़ों के चौखटों के साथ लगा था वहाँ उसने उन्हें मौत से बचाकर ज़िंदगी बरख़्शी।

सदियों के बाद यसायाह नबी एक अनोखी पेशगोई पेश करते हैं। वह एक आदमी बयान करते हैं जो अपनी जान को कुरबानी के तौर पर देगा। वह भेड़ के बच्चे की तरह ज़बह किया जाएगा :

उसे हमारे ही जरायम के सबब से छेदा गया, हमारे ही गुनाहों की ख़ातिर कुचला गया। उसे सज़ा मिली ताकि हमें सलामती हासिल हो, और उसी के ज़ख़मों से हमें शफ़ा मिली। (यसायाह 53:5)

और जब हज़रत ईसा पैदा होकर एक दिन यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले के पास आए तो यूहन्ना ने फ़रमाया,

देखो, यह अल्लाह का लेला है जो दुनिया का गुनाह उठा ले जाता है। (यूहन्ना 1:29)

## ● क्यों?

- ▶ इसलिए कि बाद में हज़रत ईसा ने तमाम इनसानों के गुनाहों का फ़िद्या दिया। मौत की जो सज़ा हर इनसान को मिलनी थी उसे उन्होंने अपने ऊपर उठाकर बरदाश्त किया ताकि हमारे गुनाह मिट जाएँ, उन्हें माफ़ किया जाए। जो हज़रत ईसा मसीह के इस काम पर पूरा भरोसा करे उसे अबदी नजात मिलती है। लिखा है,

उस [यानी अल्लाह] ने मसीह के ख़ून से हमारा फ़िद्या देकर हमें आज़ाद और हमारे गुनाहों को माफ़ कर दिया है। अल्लाह का यह फ़ज़ल कितना वसी है जो उसने कसरत से हमें अता किया है। (इफ़िसियों 1:7-8)



और हज़रत ईसा ख़ुद अपने बारे में फ़रमाते हैं,

मैं तुमको सच बताता हूँ कि जो भी गुनाह करता है वह गुनाह का गुलाम है। गुलाम तो आरिज़ी तौर पर घर में रहता है, लेकिन मालिक का बेटा हमेशा तक। इसलिए अगर फ़रज़ंद तुमको आज़ाद करे तो तुम हक़ीक़तन आज़ाद होगे। (यूहन्ना 8:34-36)

जो भी इस फ़रज़ंद यानी हज़रत ईसा मसीह पर भरोसा रखे उसे मौत की सज़ा से बचकर अबदी नजात मिलेगी।

जो मज़ीद तफ़सील से हज़रत मूसा के बारे में पढ़ना चाहे वह तौरैत में ख़ुरूज 1 से लेकर 13 तक पढ़े।

